श्री धर्मेंद्र प्रधान ने भुवनेश्वर में कौशल विकास संस्थान में उत्कृष्टता केंद्रों का उद्घाटन किया

श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उत्कृष्टता केंद्र मांग-संचालित कौशल के साथ नागरिकों को सशक्त बनाने की मोदी गारंटी को पूरा करते हैं

नई दिल्ली, 14 मार्च, 2024: माननीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज भुवनेश्वर में कौशल विकास संस्थान (एसडीआई) में दो उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई)- मीडिया और मनोरंजन और इलेक्ट्रॉनिक्स का उद्घाटन किया। यह युवा पीढ़ी को रोजगार और भविष्य के कौशल से सुसज्जित करता है और उनके लिए प्रतिष्ठित संगठनों में बड़े पैमाने पर रोजगार के लिए अवसर खोलता है।

कौशल भवन, नई दिल्ली में उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "कौशल पहल और भागीदारी हमारी आबादी को 21वीं सदी के जॉब बाजारों के लिए तैयार करेगी, उन्हें नवप्रवर्तकों और उद्यमियों के रूप में विकसित होने में मदद करेगी और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में भी योगदान देगी। कई कौशल पहलों की शुरूआत से हमारे कौशल विकास इकोसिस्टम में अधिक गति और गुणवत्ता जोड़ने, युवा शक्ति को ज्ञान और कौशल से लैस करने, काम की नवोदित दुनिया के लिए कार्यबल तैयार करने और मांग-संचालित कौशल के साथ नागरिकों को सशक्त बनाने की मोदी गारंटी को पूरा करने करेगी"।

उन्होंने आगे कहा कि एसडीआई भुवनेश्वर में एचवीएसी और मीडिया एवं मनोरंजन के लिए उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन से ओडिशा में कौशल प्रयासों को और अधिक बल मिलेगा। ये उत्कृष्टता केंद्र युवाओं को उद्योग-तैयार कौशल से लैस करेंगे, उन्हें रोजगार योग्य बनाएंगे, आजीविका बढ़ाएंगे और उद्यमशील लोगों को उद्यमी बनने में भी सक्षम बनाएंगे। उन्होंने कौशलीकरण, पुनर्कौशल और कौशल उन्नयन एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए भविष्योन्मुखी संसाधन तैयार करने के लिए एक साथ आने के लिए सभी हितधारकों को बधाई दी।

चार हजार वर्ग फुट में फैला मीडिया और मनोरंजन केंद्र तथा 1920 वर्ग फुट में फैला इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र नए युग के पाठ्यक्रमों में विशेषज्ञता की सुविधा प्रदान करता है और अपनी अवधारणा के अनुरूप पहुंच, समावेशिता और नवीनता को बढ़ावा देता है। अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित स्मार्ट क्लासरूम, वाई-फाई एक्सेस और डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म जैसी सुविधाओं के साथ, ये केंद्र आधुनिक शिक्षा और कौशल विकास की विविध आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

यह केंद्र एनईपी 2020 में उल्लिखित लक्ष्यों से पूरी तरह मेल खाता है जो नवीन शैक्षणिक दृष्टिकोण, तकनीकी प्रगति और नए युग के टूल्स के लिए एक मजबूत नींव रखता है। यह छात्रों को वीडियो एडिटर, साउंड एडिटर, वीडियो ब्लॉगर, ग्राफिक डिजाइनर, सोशल मीडिया मैनेजर, डिजिटल मार्केटिंग और डिजिटल फोटोग्राफी जैसे पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस बहु-आयामी दृष्टिकोण का लक्ष्य एम एंड ई क्षेत्र में 900 इच्छुक उम्मीदवारों को सशक्त बनाना और अगली पीढ़ी के सामग्री रचनाकारों का निर्माण करना है जो मीडिया और मनोरंजन उद्योग को वैश्विक मंच पर ऊपर उठाएंगे।

इस क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने का लक्ष्य रखने वाले छात्रों को इस केंद्र से लाभ होगा और यह एक सहयोगी और प्रवाहकीय वातावरण को बढ़ावा देगा जो यह सुनिश्चित करेगा कि छात्रों को उन संसाधनों और कौशल तक पहुंच प्राप्त हो जो घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल करने के लिए आवश्यक हैं। इसके अतिरिक्त, उत्कृष्टता केंद्र में एकीकृत प्रशिक्षण और उत्पादन सुविधा के लिए एक उपयुक्त स्थान होगा जो कैमरे, प्रकाश उपकरण, ऑडियो रिकॉर्डिंग

और संपादन सॉफ्टवेयर से सुसज्जित होगा, जो छात्रों को अपनी क्षमता को उजागर करने, विचारों को परिष्कृत करने और बेहतर कैरियर बनाने की अनुमति देता हो।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) एचवीएसी (हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग) के क्षेत्र में युवाओं को विशेष प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम प्रदान करेगा। व्यापक प्रशिक्षण डिजाइनिंग और इंस्टॉलेशन में छात्रों की बुनियादी ज्ञान को मजबूत करता है जो उनके ज्ञान और कौशल को व्यापक बनाता है और उनके चुने हुए क्षेत्रों में एक समृद्ध कैरियर बनाता है।

देवगढ़, संबलपुर, ढेंकनाल, भद्रक और अंगुल जिलों में कौशल भारत केंद्रों (एसआईसी) के पूर्व में आरंभ किए गए कार्यक्रमों को स्थानीय युवाओं ने अच्छी तरह से स्वीकार किया है। ये ठोस प्रयास राज्य को भविष्य के कौशल के केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायता करते हैं और आत्मविश्वास पैदा करते हैं जहां युवा आत्मविश्वास से आकर्षक कैरियर के अवसरों का अनुशीलन करेंगे और सफलता प्राप्त करेंगे।

इस केंद्र के पास युवाओं को आधुनिक तकनीकों और अत्याधुनिक उपकरणों के साथ सशक्त बनाकर उद्योगों में अगली पीढ़ी के पेशेवरों की मांगों को पूरा करने की अपार क्षमता है, जो उनके समग्र विकास को बढ़ावा देता है, कौशल सेट को उन्नत करता है और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करता है। यह सोशल मीडिया प्रबंधन, डिजिटल विशेषज्ञता और तकनीकी दक्षता जैसे क्षेत्रों में कौशल की कमी को पूरा करता है।

नियोजन के अवसरों को बढ़ाने के लिए, केंद्र उद्योग-विशिष्ट पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्रों के कौशल को निखारने को प्राथमिकता देता है, नेटवर्किंग के अवसरों को बढ़ावा देता है और नवीन प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह बहुआयामी दृष्टिकोण छात्रों को उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाकर लाभान्वित करता है और संगठनों को कुशल प्रतिभा तक पहुंचने और समग्र उत्पादकता और दक्षता बढ़ाने में सहायता करता है।

इसके अलावा, ये केंद्र उद्योग की बदलती जरूरतों के अनुरूप विकसित होने वाले कार्यक्रमों को डिजाइन करने के लिए उद्योग विशेषज्ञों के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर शिक्षा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। यह मानकीकरण को बढ़ावा देता है, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है और रोजगार के अवसर पैदा करता है, जो सभी क्षेत्रों में परिवर्तनकारी प्रभाव डालने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

<u>राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के बारे में</u>

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) देश में कौशल इकोसिस्टम का प्रमुख वास्तुकार है। यह भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के तहत काम करने वाला

एक अद्वितीय सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) उद्यम है। एनएसडीसी की स्थापना निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए कौशल इकोसिस्टम को उत्प्रेरित करने और भारत के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए कुशल व्यावसायिक प्रशिक्षण पहल बनाने के लिए कौशल भारत मिशन के कार्यनीतिक कार्यान्वयन और ज्ञान भागीदार बनने के लिए की गई थी। एनएसडीसी उन उद्यमों, स्टार्ट-अप, कंपनियों और संगठनों को सहायता प्रदान करता है जो संभावित कार्यबल को भविष्य के कौशल में अवसरों की दुनिया की पेशकश करके प्रभाव पैदा कर रहे हैं। संगठन पात्र संस्थाओं को वित्तीय सहायता, उम्मीदवारों को रियायती ऋण के साथ-साथ अन्य नवीन वित्तीय उत्पादों और कार्यनीतिक भागीदारी सृजित करने की पेशकश करके कौशल में निजी क्षेत्र की पहल को बढ़ाने, सहयोग और समन्वय करने के लिए उपयुक्त मॉडल विकसित करता है।